>

Title: Need to look into the demands of people belonging to various castes in Bihar for their inclusion in the lists of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): बिहार राज्यान्तर्गत नोनिया, मल्लाह, लोहार, धानूक, माली आदि जातियाँ अति पिछड़ी जाति की सूची में शामिल हैं। इसी प्रकार कानू, ततवा, ताँती, कुम्हार तुरहा, नाई आदि जातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। अतः इन जातियों के महासंघों की मांग है कि नोनिया, मल्लाह, लोहार, धानूक, माली को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में और कानू, ततवा, ताँती, कुम्हार तुरहा, नाई को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में डाला जाए। समाज अध्ययन संस्थानों ने भी इस आशय की अनुशंसा की है।

आग्रह है कि इस संबंध में बिहार सरकार से मंतव्य मंगाकर उपरोक्त को अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति की श्रेणी में डालने हेतु सरकार कार्रवाई करे।